



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1

PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 96]

नई दिल्ली, सोमवार, अप्रैल 13, 2015/चैत्र 23, 1937

No. 96]

NEW DELHI, MONDAY, APRIL 13, 2015/CHAITRA 23, 1937

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय  
(वाणिज्य विभाग)  
(पाटनरोधी एवं संबद्ध शुल्क महानिदेशलय)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 13 अप्रैल, 2015

जांच शुरूआत

(निर्णायक समीक्षा)

**विषय :** रूस में उद्भवित अथवा वहां से निर्यातित "पालीटेद्राफ्लोरोइथायलीन अथवा पीटीएफई" के आयातों पर पाटनरोधी शुल्क का अधिरोपण करने के लिए निर्णायक समीक्षा जांच की शुरूआत

**फा. सं.15/2/2015-डीजीएडी.**—वर्ष 1995 में यथासंशोधित सीमाशुल्क प्रशुल्क अधिनियम, 1975 और सीमाशुल्क प्रशुल्क (पाटित वस्तुओं की पहचान, उन पर पाटनरोधी शुल्क का आकलन एवं संग्रहण तथा क्षति निर्धारण) नियमावली, 1995 को ध्यान में रखते हुए निर्दिष्ट प्राधिकारी (जिन्हें एतद्पश्चात प्राधिकारी कहा गया है) ने रूस (जिसे एतद्पश्चात संबद्ध देश कहा गया है) में उद्भवित अथवा वहां से निर्यातित "पालीटेद्राफ्लोरोइथायलीन", जिसे "पीटीएफई" के नाम से भी जाना जाता है, के आयातों पर पाटनरोधी शुल्क का अधिरोपण करने की सिफारिश की थी।

2. यतः, प्राधिकारी द्वारा रूस से आयातित संबद्ध वस्तु पर दिनांक 26 फरवरी, 2010 की अधिसूचना संख्या 15/30/2008-डीजीएडी के तहत पाटनरोधी शुल्क का अधिरोपण करने की सिफारिश की थी। इस जांच परिणाम के आधार पर संबद्ध देश से आयातित संबद्ध वस्तु पर राजस्व विभाग ने दिनांक 03 मई, 2010 की अधिसूचना संख्या 57/2010-सीमाशुल्क के तहत पाटनरोधी शुल्क का अधिरोपण किया था।

## समीक्षा के लिए अनुरोध

3. यतः, सीमाशुल्क प्रशुल्क अधिनियम, 1995 के अनुसार यदि पाटनरोधी शुल्क का पहले प्रतिसंहरण नहीं कर लिया गया हो यह ऐसे अधिरोपण की तारीख से पांच वर्षों की अवधि की समाप्ति पर निष्प्रभावी हो जाएगी।

4. और, उपर्युक्त प्रावधान के होते हुए भी, प्राधिकारी को घरेलू उद्योग द्वारा अथवा घरेलू उद्योग की ओर से, इस साधन की समाप्ति की तारीख से एक युक्तियुक्त अवधि के अंतर्गत, किए गए विधिवत साक्ष्यांकित अनुरोध के आधार पर यह जांच करना अपेक्षित होता है कि क्या शुल्क की समाप्ति से पाटन एवं क्षति की निरंतरता बने रहने अथवा उसकी पुनरावृत्ति होने की संभावना है।

5. और यतः, उपर्युक्त प्रावधानों के अनुरूप, मैसर्स गुजरात फ्लोरोकैमिकल्स लिमिटेड, भारत में संबद्ध वस्तु के एक प्रमुख उत्पादक, ने प्राधिकारी के समक्ष एक विधिवत साक्ष्यांकित आवेदनपत्र संबद्ध देश में उद्धवित अथवा वहां से निर्यातित संबद्ध वस्तु के आयातों पर विगत में अधिरोपित पाटनरोधी शुल्क की निर्णायक समीक्षा करने और पाटनरोधी शुल्क की निरंतरता बनाए रखने की मांग करते हुए दायर किया है। यह अनुरोध इस आधार पर आधारित है कि संबद्ध देश से संबद्ध वस्तु के आयातों पर पाटनरोधी शुल्क का अधिरोपण होने के बावजूद संबद्ध देश में उद्धवित अथवा वहां से निर्यातित संबद्ध वस्तु का पाटन निरंतर बना हुआ है और संबद्ध देश से पाटन के कारण घरेलू उद्योग का निरंतर क्षति सहन करनी पड़ी रही है। इस आवेदक ने पुनः यह तर्क दिया कि संबद्ध देश के विरुद्ध इस साधन की समाप्ति से पाटन एवं घरेलू उद्योग को क्षति की निरंतरता बने रहने अथवा उसकी पुनरावृत्ति होने की संभावना है।

6. और, आवेदकों द्वारा प्रस्तुत किए गए प्रथम दृष्टया साक्ष्यों के आधार पर प्राधिकारी प्रभावी पाटनरोधी शुल्क के लिए निर्णायक समीक्षा जांच की कार्यवाही की शुरुआत करना संबद्ध देश से पाटन को समाप्त करने और यह जांच करने के लिए कि क्या इस शुल्क का प्रतिस्तरण कर देने अथवा उसमें कोई फेरबदल करने से घरेलू उद्योग को क्षति की निरंतरता बने रहने अथवा उसकी पुनरावृत्ति होने की संभावना है, ऐसे शुल्क की निरंतरता बनाए रखने की जांच करने के लिए आवश्यक समझते हैं।

### घरेलू उद्योग और आधार

7. यह याचिका मैसर्स गुजरात फ्लोरोकैमिकल्स लिमिटेड, भारत में संबद्ध वस्तु के एक प्रमुख उत्पादक द्वारा दायर की गई है (जिसे एतदपश्चात् घरेलू उद्योग या आवेदक भी कहा गया है)। प्राधिकारी के पास उपलब्ध रिकार्ड के अनुसार यह आवेदक भारत में इस संबद्ध वस्तु का एक बड़ा उत्पादक है। हिन्दुस्तान फ्लोरोकार्बन्स लिमिटेड नामक एक अन्य कंपनी है जो इस संबद्ध वस्तु का उत्पादन करती है। तथापि, याचिकाकर्ता जीएफएल द्वारा प्रस्तावित जांच की अवधि में इस संबद्ध वस्तु के कुल घरेलू उत्पादन के 98 प्रतिशत का उत्पादन किया गया था। याचिकाकर्ता पाटनरोधी नियमावली के नियम 5(3) और नियम 2(ख) की अपेक्षाओं को पूरा करता है और वर्तमान याचिका दायर करने का उसका आधार बनता है और प्रतिभागिताकारी कंपनियों नियमावली के आशय के अंतर्गत 'घरेलू उद्योग' है।

8. घरेलू उद्योग द्वारा इस समीक्षा की जरूरत के लिए प्रथम दृष्टया सकारात्मक साक्ष्यांकित साक्ष्य प्रस्तुतिकरण के आधार पर प्राधिकारी प्रभावी शुल्क के अधिरोपण की निरंतरता बनाए रखने की जरूरत की समीक्षा करने और यह जांच करने के लिए कि क्या शुल्क को समाप्त कर देने से पाटन एवं क्षति की निरंतरता बने रहने अथवा उसकी पुनरावृत्ति होने की संभावना है, पाटनरोधी नियमावली के नियम 23 के साथ पठित अधिनियम की धारा 9क(5) के अनुसार एतद्वारा निर्णायक समीक्षा की शुरुआत करते हैं।

### विचाराधीन उत्पाद और समान वस्तु

9. वर्तमान याचिका में विचाराधीन उत्पाद "पालीटेट्राफ्लोरोइथायलीन" है जिसे "पीटीएफई" के रूप में भी जाना जाता है। पीटीएफई का प्रयोग प्राथमिकतः इसकी विलक्षण विशेषताओं जैसे रासायनिक इन्टनेस, इलेक्ट्रिकल और थर्मल इन्सुलेशन, घर्षण के प्रति न्यून काफिसिएंट, नॉन-टाक्सिक, नॉन-फ्लेमबल, विकिरण का प्रतिरोधक, स्टैटिक और डायनामिक फ्रिक्शन का न्यून स्तर और व्यापक फ्रीक्वेंसी रेंज की उत्कृष्ट इलेक्ट्रिकल विशेषताओं के कारण इलेक्ट्रिकल इलेक्ट्रानिक, मैकेनिकल और कैमिकल उद्योगों में किया जाता है।

10. प्राधिकारी यह निष्कर्ष निकालते हैं कि वर्तमान निर्णायक समीक्षा जांच में विचाराधीन उत्पाद "पालीटेट्राफ्लोरोइथायलीन" है जिसे "पीटीएफई" के रूप में भी जाना जाता है। वर्तमान जांच में विचाराधीन उत्पाद का दायरा वही रहेगा जो इसमें पहले अधिसूचित अंतिम जांच परिणाम में विचाराधीन उत्पाद का दायरा था।

11. आवेदकों ने यह दावा कि आवेदकों द्वारा उत्पादित उत्पाद और संबद्ध देश से आयातित उत्पाद के बीच कोई ज्ञात अंतर नहीं है। दोनों ही उत्पादों के भौतिक एवं रासायनिक अभिलक्षणों प्रकार्यों और प्रयोगों, उत्पाद विनिर्देशनों, कीमत निर्धारण, वितरण और विपणन तथा प्रशुल्क वर्गीकरण आदि जैसे पैरामीटरों के रूप में तुलनीय अभिलक्षण होते हैं। घरेलू उद्योग द्वारा यह दावा किया गया है कि घरेलू उत्पादों तथा आयातित उत्पादों के बारे में अनिवार्य उत्पाद विशेषताओं की तुलना दर्शाती है कि घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित संबद्ध वस्तु तथा संबद्ध देशों से आयातित संबद्ध वस्तु दोनों ही अनिवार्य उत्पाद विशेषताओं के रूप में समान हैं। प्राधिकारी यह निर्धारित करते हैं कि घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित संबद्ध वस्तु और संबद्ध देश से आयातित संबद्ध वस्तु समान वस्तुएं हैं।

### प्रक्रिया

12. यह जांच यह निर्धारित करेगी कि क्या इस साधन को समाप्त कर देने से पाटन एवं क्षति की निरंतरता बने रहने अथवा उसकी पुनरावृत्ति होने की संभावना है। प्राधिकारी यह जांच करेंगे कि क्या पाटन को समाप्त करने के लिए शुल्क का सतत अधिरोपण अनिवार्य है और क्या शुल्क को हटा देने अथवा उसमें कोई परिवर्तन कर देने अथवा दोनों से क्षति की निरंतरता बने रहने अथवा उसकी पुनरावृत्ति होने की संभावना है :

- (i) यह समीक्षा रूस के संबंध में दिनांक 26 फरवरी, 2010 की अधिसूचना संख्या 15/30/2008-डीजीएडी के सभी पहलुओं को कवर करेगा। इस समीक्षा जांच में अंतर्ग्रस्त देश रूस है।

- (ii) वर्तमान जांच के प्रयोजनार्थ जांच की अवधि (पीओआई) अक्टूबर, 2013 से सितम्बर, 2014 है। तथापि, क्षति विश्लेषण अप्रैल 2011 – मार्च 2012, अप्रैल, 2012 – मार्च, 2013, अप्रैल, 2013 – मार्च, 2014 तथा जांच की अवधि भी शामिल होगी।
- (iii) इस समीक्षा में पूर्वोक्त नियमावली के नियम 6, 7, 8, 9, 10, 11, 16, 17, 18, 19 और 20 यथावश्यक परिवर्तनों सहित लागू होंगे।

### सूचना प्रस्तुत करना

13. सम्बद्ध देशों के ज्ञात निर्यातकों और संबद्ध देशों की सरकार को भारत स्थित उनके राजदूतावास के जरिए, भारत में इस संबद्ध उत्पाद से संबंधित ज्ञात आयातकों और उनके प्रयोक्ताओं को निर्धारित स्वरूप और ढंग से सभी संगत जानकारी प्रस्तुत करने और अपने विचारों से प्राधिकारी को अधोलिखित पते पर अवगत कराने के लिए अलग से संबोधित किया जा रहा है :

#### निर्दिष्ट प्राधिकारी

#### पाटनरोधी एवं संबद्ध शुल्क महानिदेशालय

#### वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय

#### वाणिज्य विभाग

चौथा तल, जीवन तारा बिल्डिंग, 5, संसद मार्ग, नई दिल्ली-110001

14. कोई अन्य हितबद्ध पक्षकार भी नीचे दी गई समयावधि के भीतर इस जांच से संगत प्रस्तुतिकरण विहित स्वरूप और ढंग से कर सकता है। प्राधिकारी के समक्ष गोपनीय प्रस्तुतिकरण करने वाले किसी अन्य पक्षकार से यह अपेक्षा की जाती है कि वह उसका अगोपनीय पाठ अन्य पक्षकारों को उपलब्ध कराएगा।

### समय-सीमा

15. वर्तमान जांच से संबंधित कोई भी सूचना और सुनवाई के लिए किया गया कोई अनुरोध लिखित में भेजा जाना चाहिए जिससे कि यह प्राधिकारी के पास उपर्युक्त पते पर इस अधिसूचना के प्रकाशन की तारीख से 40 दिनों (चालीस दिनों) से अनधिक समय के भीतर पहुंच जानी चाहिए। यदि निर्धारित समय-सीमा के अंदर कोई सूचना प्राप्त नहीं होती है या प्राप्त सूचना अधूरी है तो प्राधिकारी, पाटनरोधी नियमावली के अनुसार रिकार्ड में उपलब्ध तथ्यों के आधार पर अपने जांच-परिणाम दर्ज कर सकते हैं।

16. वर्तमान मामले में सभी हितबद्ध पक्षकारों को एतद्वारा सलाह दी जाती है कि वे अपने हित (हित की प्रकृति सहित) से अवगत कराएं और अपने प्रश्नावली प्रत्युत्तर दायर करें और घरेलू उद्योग के आवेदनपत्र पर इस पाटनरोधी शुल्क की निरंतरता बनाए रखने अथवा अन्यथा की जरूरत के संबंध में अपनी टिप्पणियां इस समीक्षा जांच की शुरुआत से 40 दिनों के अंदर प्रस्तुत करें।

### गोपनीय आधार पर सूचना प्रस्तुत करना

17. प्रश्नावली के उत्तर/निवेदन के किसी भाग के लिए गोपनीयता का दावा किए जाने के मामले में इसे दो अलग-अलग भागों में प्रस्तुत किया जाना चाहिए : (क) गोपनीय के रूप में चिह्नित (शीर्षक, विषय सूची, पृष्ठों की संख्या आदि) और (ख) दूसरा भाग अगोपनीय के रूप में चिह्नित (शीर्षक, विषय सूची, पृष्ठों की संख्या आदि) उपलब्ध कराई गई समस्त सूचना में प्रत्येक पृष्ठ के ऊपर स्पष्ट रूप से "गोपनीय" अथवा "अगोपनीय" लिखा जाना चाहिए।

18. किसी भी तरह के चिह्न के बिना उपलब्ध कराई गई सूचना अगोपनीय समझी जाएगी और प्राधिकारी अन्य हितबद्ध पक्षकारों को ऐसी किसी भी अगोपनीय सूचना के निरीक्षण की अनुमति प्रदान करने हेतु स्वतंत्र होंगे। गोपनीय तथा अगोपनीय पाठ की दो-दो (2) प्रतियां प्रस्तुत की जानी चाहिए।

19. गोपनीयता का दावा करने वाली सूचना के लिए, सूचना प्रदाता को प्रस्तुत सूचना के साथ इस बात का ठोस कारण बताते हुए विवरण प्रस्तुत करना होगा कि वह सूचना प्रकटन क्यों नहीं की जा सकती और/अथवा उस सूचना को सारांश में प्रस्तुत करना संभव क्यों नहीं है।

20. अगोपनीय सूचना, गोपनीय सूचना की प्रतिकृति होना अपेक्षित है जिसके साथ गोपनीय सूचना को, उस सूचना के आधार पर जिस पर गोपनीयता का दावा किया गया है, सूचीबद्ध किया जाए/संक्षेप में बताया जाए। अगोपनीय सारांश गोपनीय आधार पर प्रस्तुत सूचना के विषय का एक युक्तिसंगत विवरण होना चाहिए जिससे उस विषय को समझा जा सके। फिर भी, विशेष परिस्थितियों में, गोपनीय सूचना प्रस्तुत करने वाली पार्टी दर्शा सकती है कि ऐसी सूचना का सार प्रस्तुत करना संभव नहीं है और कारणों का एक ब्यौरा कि क्यों संक्षेपण संभव नहीं है, निर्दिष्ट प्राधिकारी की संतुष्टि हेतु मुहैया कराना चाहिए।

21. प्रस्तुत की गई सूचना की प्रकृति की जांच के उपरान्त प्राधिकारी गोपनीयता के अनुरोध को स्वीकार अथवा अस्वीकार कर सकते हैं। यदि प्राधिकारी इस बात से संतुष्ट है कि गोपनीयता हेतु अनुरोध आवश्यक नहीं है अथवा सूचना का आपूर्तिकर्ता सूचना को सार्वजनिक

करने अथवा सामान्य अथवा सारांश रूप से इसके प्रकटीकरण को प्राधिकृत करने का इच्छुक नहीं है तो वह ऐसी सूचना को नजरअंदाज कर सकते हैं।

22. सार्थक अगोपनीय पाठ के बिना अथवा गोपनीयता के दावे के संबंध में दिए गए कारण के ब्यौरे के बिना प्रस्तुत की गई सूचना को निर्दिष्ट प्राधिकारी रिकार्ड में नहीं लेंगे। प्राधिकारी, प्रदत्त सूचना से संतुष्ट होने और गोपनीयता की आवश्यकता को स्वीकार कर लेने पर, ऐसी सूचना उपलब्ध कराने वाले पक्षकार द्वारा विशिष्ट रूप से प्राधिकारी किए बिना, किसी भी पक्षकार के समक्ष इसे प्रकट नहीं करेंगे।

### सार्वजनिक फाइल का निरीक्षण

23. नियम 6(7) के अनुसार कोई भी हितबद्ध पक्षकार अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रस्तुत साक्ष्यों के अगोपनीय रूपांतर वाली सार्वजनिक फाइल का निरीक्षण कर सकता है।

### असहयोग

24. यदि कोई हितबद्ध पक्षकार आवश्यक सूचना जुटाने से मना करता है या उचित समय के भीतर उसे अन्यथा उपलब्ध नहीं कराता है अथवा जांच में अत्यधिक बाधा डालता है तो निर्दिष्ट प्राधिकारी अपने पास उपलब्ध तथ्यों के आधार पर अपने जांच परिणाम दर्ज कर सकते हैं तथा केन्द्रीय सरकार को यथोचित सिफारिशें कर सकते हैं।

जे. के. दादू, निर्दिष्ट प्राधिकारी

## MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY

(Department of Commerce)

(DIRECTORATE GENERAL OF ANTI-DUMPING AND ALLIED DUTIES)

### NOTIFICATION

New Delhi, the 13th April, 2015

#### Initiation

(Sunset Review)

**Subject: Initiation of Sunset Review investigation for imposition of anti-dumping duty on imports of “Polytetrafluoroethylene or PTFE” originating in or exported from Russia.**

**F. No. 15/2/2015-DGAD.**—Having regard to the Customs Tariff Act, 1975 as amended in 1995 and the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti-dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, 1995, the Designated Authority (herein after referred to as Authority) recommended imposition of Anti Dumping Duty on imports of “Polytetrafluoroethylene” also known as “PTFE” (hereinafter referred to as subject goods) originating in or exported from Russia (hereinafter referred to as subject country).

2. WHEREAS the antidumping duty was recommended on the subject goods by the Authority imported from Russia vide Notification No. 15/30/2008-DGAD dated 26th February, 2010. On the basis of the findings, definitive anti-dumping duties on the subject goods imported from subject country was imposed by the Department of Revenue on subject goods imported Russia vide Notifications 57 /2010-Customs dated 3rd May, 2010.

#### Request for Review

3. Whereas, in terms of the Customs Tariff Act, 1995, the antidumping duty imposed shall unless revoked earlier, cease to have effect on the expiry of five years from the date of such imposition.

4. And, notwithstanding the above provision, the Authority is required to review, on the basis of a duly substantial request made by or on behalf of the domestic industry within a reasonable period of time prior to the date of the expiry of the measure, as to whether the expiry of duty is likely to lead to continuation or recurrence of dumping and injury.

5. And, whereas, in terms of the above provisions, M/s. Gujarat Fluorochemicals Ltd., the major producer of the subject goods in India, have approached the Authority with a duly substantiated application requesting for sunset review of the anti-dumping duty earlier imposed on the imports of the subject goods originating in or exported from the subject country and seeking the continuation of anti-dumping duty. The request is based on the grounds that dumping of the subject goods originating in or exported from the subject country has continued in spite of the imposition of anti-dumping duties on the imports of the subject goods from the subject country and the domestic industry continues to suffer injury on account of dumping from the subject country. The applicants have further argued that the expiry of the

measure against the subject country would be likely to result in continuation or recurrence of dumping and injury to the domestic industry.

6. And, the Authority on the basis of prime facie evidence given by the applicants considers that initiation of sunset review proceedings for the anti-dumping duties in force would be appropriate to examine the need for continuation of such duties to offset dumping from the subject country and to examine as to whether the injury to the domestic industry is likely to continue or recur if the duties were removed or varied.

#### **Domestic Industry Standing**

7. The Petition has been filed by M/s. Gujarat Fluorochemicals Ltd. who is the major producer of the subject goods in India (hereinafter referred to as the domestic industry or the applicants). As per the records available with the Authority, the applicant is the major producer of the subject goods in India. There is only one more company, Hindustan Fluorocarbons Ltd., which produces the subject goods. However, the production of the subject goods by the petitioner, GFL constitutes around 98% in domestic production in proposed investigation period. The petitioner satisfies the requirements of Rule 2(b) and Rule 5(3) of the AD Rules and the standing to file the present petition and the participating companies constitute "Domestic Industry" within the meaning of the Rules.

8. Having satisfied itself on the basis of the positive prima facie evidence submitted by the domestic industry substantiating the need for a review, the Authority hereby initiates the Sunset Review in accordance with Section 9 A (5) of the Act, read with Rule 23 of Antidumping Rules, to review the need for continued imposition of duties in force and whether the expiry of the duties would be likely to lead to continuation or recurrence of dumping and injury.

#### **Product under Consideration and Like Article**

9. The product under consideration in the present petition is "*Polytetrafluoroethylene*" also known as "PTFE". PTFE is primarily used in electrical, electronic, mechanical and chemical industries for its unique characteristics like chemical inertness, electrical and thermal insulation, low coefficient of friction, non-toxic, non-flammable, resistance to radiation, low level of static and dynamic friction and outstanding electrical properties over a wide frequency range.

10. The Authority concludes that the product under consideration in the present sunset review investigation is "*Polytetrafluoroethylene*" also known as "PTFE". The scope of the product under consideration in the present investigation remains the same as the scope of the product under consideration in the final findings earlier notified.

11. The applicants have claimed that there is no known difference in product produced by the applicants and exported from the subject country. Both products have comparable characteristics in terms of parameters such as physical & chemical characteristics, functions & uses, product specifications, pricing, distribution & marketing and tariff classification, etc. It has been claimed by the domestic industry that comparison of essential product properties in respect of domestic product and imported product show that the subject goods produced by the domestic industry are similar to the subject goods imported from subject country in terms of essential product properties. The Authority determines that the subject goods produced by the domestic industry are like article to the subject goods imported from the subject country.

#### **Procedure**

12. The investigation will determine whether the expiry of the measure would be likely to lead to a continuation or recurrence of dumping and injury. The Authority will examine whether the continued imposition of the duties is necessary to offset dumping and whether the injury would be likely to continue or recur if the duty were removed or varied, or both:-

- i. The review will cover all aspects of Notification No. 15/30/2008-DGAD dated 26th February, 2010 in respect of Russia. The country involved in this review investigation is Russia.
- ii. The period of investigation for the purpose of the present review is from October 2013— September 2014. The injury investigation period will however cover the periods April'2011—March'12, April'2012—March'2013, April'2013—March'2014 and the POI.
- iii. The provisions of Rules 6, 7, 8, 9, 10, 11, 16, 17, 18, 19 and 20 of the Rule supra shall be mutatis mutandis applicable in this review.

#### **Submission of Information:**

13. The known exporters in the subject country, the Government of the subject country through its embassies in India, the importers and users in India known to be concerned with the product are being addressed separately to submit relevant information in the form and manner prescribed and to make their views known to the Authority at the following address:

**The Designated Authority**  
**Directorate General of Anti-Dumping and Allied Duties**  
**Department of Commerce,**  
**Jeevan Tara Building, 4th Floor**  
**5, Parliament Street**  
**New Delhi -110001**

14. Any other interested party may also make its submissions relevant to the investigation in the prescribed form and manner within the time limit set out below. Any party making any confidential submission before the Authority is required to make a non-confidential version of the same available to the other parties.

**Time Limit:**

15. Any information relating to the present review and any request for hearing should be sent in writing so as to reach the Authority at the address mentioned above not later than forty days (40 Days) from the date of communication of initiation of this Notification. If no information is received within the prescribed time limit or the information received is incomplete, the Authority may record its findings on the basis of the facts available on record in accordance with the Anti-dumping Rules.

16. All the interested parties are hereby advised to intimate their interest (including the nature of interest) in the instant matter and file their questionnaire responses and offer their comments to the domestic industry's application regarding the need to continue or otherwise the Anti-dumping measures within 40 days from the communication of initiation of this Notification.

**Submission of information on confidential basis**

17. In case confidentiality is claimed on any part of the questionnaire response/submissions, the same must be submitted in two separate sets (a) marked as Confidential (with title, index, number of pages, etc.) and (b) other set marked as Non Confidential (with title, index, number of pages, etc.). All the information supplied must be clearly marked as either "confidential" or "non-confidential" at the top of each page.

18. Information supplied without any confidential marking shall be treated as non confidential and the Authority shall be at liberty to allow the other interested parties to inspect any such non-confidential information. Two (2) copies of the confidential version and five (05) copies of the non-confidential version must be submitted by all the interested parties.

19. For information claimed as confidential; the supplier of the information is required to provide a good cause statement along with the supplied information as to why such information cannot be disclosed and/or why summarization of such information is not possible.

20. The non-confidential version is required to be a replica of the confidential version with the confidential information preferably indexed or blanked out/summarized depending upon the information on which confidentiality is claimed. The non-confidential summary must be in sufficient detail to permit a reasonable understanding of the substance of the information furnished on confidential basis. However, in exceptional circumstances, parties submitting the confidential information may indicate that such information is not susceptible to summarization; a statement of reasons why summarization is not possible must be provided to the satisfaction of the Authority.

21. The Authority may accept or reject the request for confidentiality on examination of the nature of the information submitted. If the Authority is satisfied that the request for confidentiality is not warranted or the supplier of the information is either unwilling to make the information public or to authorize its disclosure in generalized or summary form, it may disregard such information.

22. Any submission made without a meaningful non-confidential version thereof or without a good cause statement on the confidentiality claim may not be taken on record by the Authority. The Authority on being satisfied and accepting the need for confidentiality of the information provided; shall not disclose it to any party without specific authorization of the party providing such information.

**Inspection of public file:**

23. In terms of Rule 6(7) of the AD Rules, any interested party may inspect the public file containing non-confidential version of the evidence submitted by other interested parties.

**Non-cooperation**

24. In case any interested party refuses access to and otherwise does not provide necessary information within a reasonable period, or significantly impedes the investigation, the Authority may declare such interested party as non-cooperative and record its findings on the basis of the facts available to it and make such recommendations to the Central Government as deemed fit.

J. K. DADOO, Designated Authority